Research Paper E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 9 | ISSUE : 5 | MAY 2023

स्वच्छ भारत अभियान को लेकर महाविद्यालय छात्रों में जागरूकता का अध्ययन

निर्मला [1]

[1] शोधार्थी भूगोल विभाग, राजस्थान

ABSTRACT:

KEYWORDS:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 महात्मा गांधी की जयंती पर अपने ड्रीम प्रोजेक्ट 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत की थी। स्वच्छ भारत अभियान या 'क्लीन इंडिया कँपेन देश का सबसे बडा स्वच्छता अभियान है। प्रधानमंत्री ने हर भारतीय से इस मिशन में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। विश्व बैंक ने 1,500,000,000 डॉलर का ऋण भारत स्वच्छता अभियान के लिए मंजूर किए इसके लिए 30 मार्च 2016 को भारत सरकार और विश्व बैंक ने एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। स्वच्छ भारत अभियान के दो उप अभियान है पहला स्वच्छ भारत अभियान ग्रामीण एवं दूसरा स्वच्छ भारत अभियान शहरी इन दो उप अभियानों के लिए पेयजल और स्वच्छता और ग्रामीण विकास के मंत्रालय ग्रामीण इलाकों में इसकी जिम्मेदारी लेंगे और शहरी विकास मंत्रालय शहरों में इस मिशन की देखभाल करेगा। स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्रामीण इलाकों में ग्रामीण विकास मंत्रालय हर गांव को अगले पांच सालों तक हर साल 20 लाख रुपये देगा। इस अभियान के तहत सरकार ने हर परिवार में व्यक्तिगत शौचालय की लागत 12,000 रुपये तय की है ताकि सफाई, नहाने और कपड़े धोने के लिए पर्याप्त पानी की आपूर्ति की जा सके।

अनुमान के मुताबिक पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा इस अभियान पर 1,34,000 करोड रुपये खर्च किये जाएंगेद्य हमने इस शोध में पता लगाना चाहां की छात्रों के मध्य स्वच्छता को लेकर जागरूकता के स्तर का स्तर क्या है एवं इस मिशन अभियान के व्यवहारिक पक्ष क्या हैं साथ यह प्रयास किया की स्वच्छ भारत अभियान के उन्नयन में व्यवहारिक अवरोधों को जानना एवं उसके निवारण के कारक क्या क्या हैंद्य इसके लिए हमने दो कोटि में बांटा जिसमे पहला महाविद्यालय से पठन-पाठन हेतू जुडे छात्र एवं दूसरा उनके शैक्षणिक स्तर को चुनाद्यशोध अध्ययन में यह पाया गया कि तमाम सूचनादाता स्वच्छ भारत के परिचित है. सुचानादाताओं से प्राप्त आकड़ों के अनुसार वे कुडें को सदैव कूड़ेदान में ही डालते हैं और रोजाना अपने घरों कि सफाई करते हैं सुचनादाताओं के अनुसार वे अपने संस्थान में सहपाठियों को साफ सफाई के प्रति प्रेरित करते हैं, इससे यह स्पष्ट होता है कि छात्रों के मध्य स्वच्छता को लेकर जागरूकता का स्तर उच्च हैं. छात्रों तक स्वच्छता अभियान कि पहुँच बेहद कारगर रही है और जहाँ भी थोड़ी कमी रह गयी है, उनमे सुधार की गुंजाइश हैं छात्रों ने यह स्वीकार किया कि उनके शैक्षणिक संस्थानों में नियमित साफ-सफाई होती है. इसके इतर एक चौकाने वाली बात ये सामने आई कि उनके संस्थान में एक स्थान विशेष मूत्र विसर्जन का कम आता है. जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्वच्छता अभियानों में हम जागरूकता स्तर पर जहाँ अव्वल हैं। वही व्यवहारिक प्रयोग में फिसड्डी साबित हो रहे हैं.

अधिकांश छात्रों के अनुसार उनके संसथान में स्वच्छता जागरूकता सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित होते हैं, लेकिन यह 16 काबिलेगौर है कि इन कार्यक्रमों में इनकी सहभागिता बेहद कम हैं. उनकी अनुपस्थिति ये बताने को काफी है कि इन कार्यक्रमों प्रति उत्साह तो है लेकिन व्यवहारिक सहभागिता के मामले में ये कार्यक्रम फिसड्डी साबित हो रहे हैं. स्वच्छता अभियान के लिए श्रमदान करने में एक तेजी जरुर मापी जा सकती है और इसके पीछे कि छात्रों के अनुसार मुख्य वजह राष्ट्रीय स्तर पर सेलिब्रिटी का इस आयोजन से जुडाव का होना हैं. समाजिक तौर पर आज भी छात्र स्वच्छता कार्यों को लेकर उहापोह कि स्थिति में हैं उनके अनुसार यदि वे साफ-सफाई करते है तो लोगों से अवांछित टिका-टिप्पणी सुनने को मिल जाती है जो इस ओर इंगित करती है कि आज भी हमारा समाज इन कार्यक्रमों को लेकर व्यवहारिक पूर्ति नही हुआ है- स्वच्छता अभियान के उन्नयन में व्यवहारिक अवरोध के बाबत यह पाया गया कि अधिकांश छात्रों ने स्वीकार किया उन्हें इसके सफल क्रियान्वयन में कोई गतिरोध नहीं दीखता है लेकिन आज भी इन कार्यक्रमों कि पकड़ ग्रामीण इलाकों में जोरदार तरीके से नहीं दिखती हैं.

अतः इस शोध कार्य से यह स्पष्ट होता है कि स्वच्छता अभियान कि पहुँच तो हमारे देश के भविष्य छात्रों तक जरुर कारगर तरीके से पहुँच गया है लेकिन अब भी इन्हें और अधिक व्यवहारिक बनाने का प्रयास होने चाहिए.

REFERENCES

1. www-smart-ap-gov-in/
2. www-patrika-com/- /smart&village&7316
3. खान इसरार और कुमार सर्वेश (2016) स्वच्छ भारत अभियान का ग्राम स्तरीय सूक्ष्म अध्ययन
4. Thakkar Priyanka(2015) Swachh Bharat(Clean India) Mission& An Analytical Study
5. सुरेन्द्र कुमार तिवारी (2014) The Study of Awareness of A National Mission